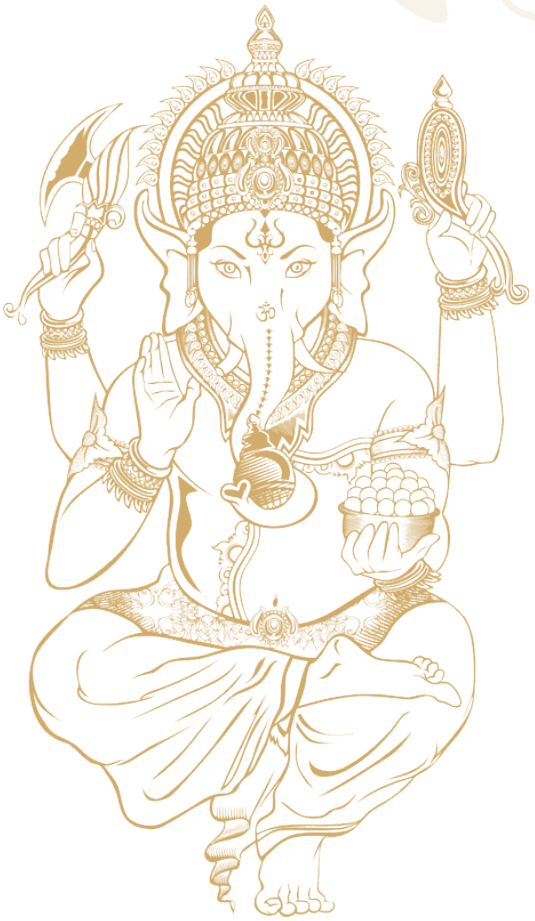

15 Jul 1987

04:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121318102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/07/1987**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:09:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:44 घंटे
साम्पातिक काल	23:07:53 घंटे
सूर्योदय	05:32:20 घंटे
सूर्यास्त	19:21:09 घंटे
दिनमान	13:48:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:15:42 मिथुन
लग्न के अंश	06:56:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:56:08	330:00:01	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मिथु	28:15:42	00:57:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कुंभ	21:23:19	14:17:41	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	11:34:24	00:38:15	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व		मिथु	13:43:37	00:02:03	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु			मेष	04:00:35	00:06:32	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	17:28:06	01:13:31	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	21:48:54	00:03:06	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	11:34:24	00:02:10	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	11:34:24	00:02:10	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:56:56	00:02:03	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	12:30:49	00:01:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:28:09	00:00:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	22:09:37	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:58

लग्न-चलित

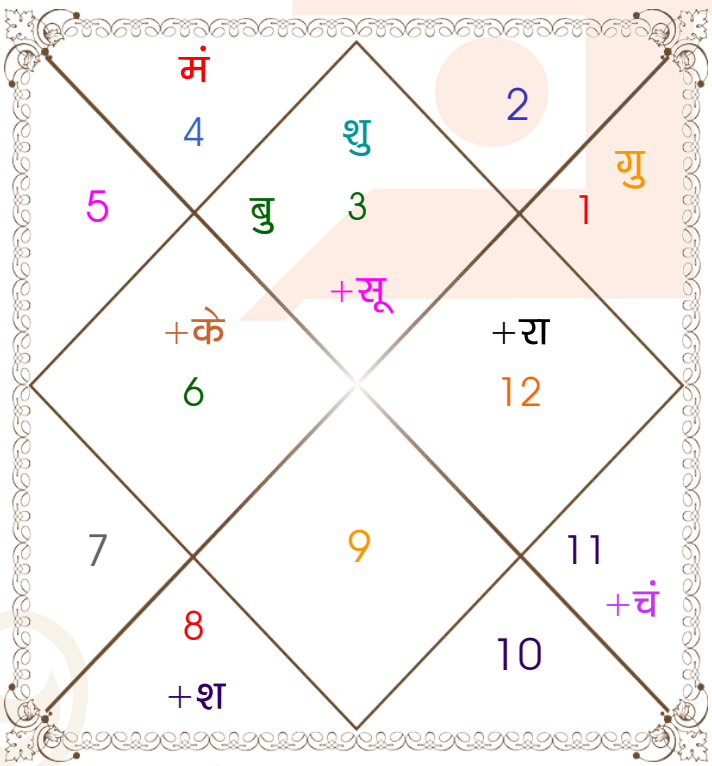

चन्द्र कुंडली

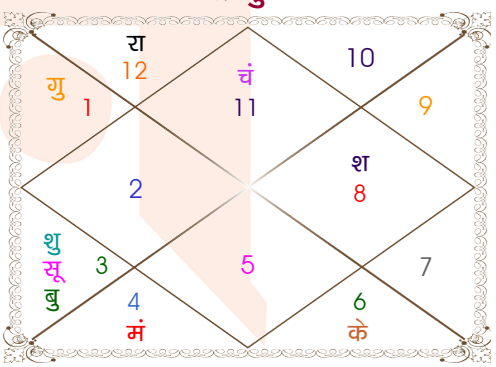

नवमांश कुंडली

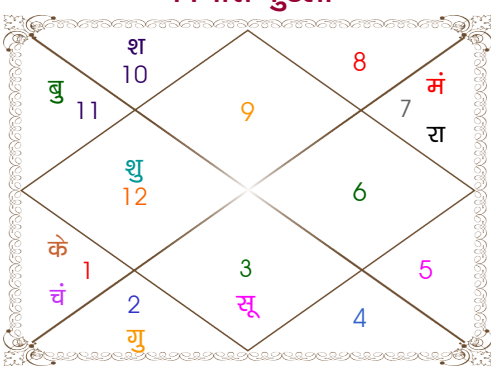

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 4 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/07/1987		13/11/2001		13/11/2020		13/11/2037		13/11/2044	
13/11/2001		13/11/2020		13/11/2037		13/11/2044		13/11/2064	
गुरु	01/01/1988	शनि	16/11/2004	बुध	11/04/2023	केतु	11/04/2038	शुक्र	14/03/2048
शनि	15/07/1990	बुध	27/07/2007	केतु	08/04/2024	शुक्र	11/06/2039	सूर्य	15/03/2049
बुध	19/10/1992	केतु	04/09/2008	शुक्र	06/02/2027	सूर्य	17/10/2039	चंद्र	13/11/2050
केतु	25/09/1993	शुक्र	04/11/2011	सूर्य	14/12/2027	चंद्र	17/05/2040	मंगल	13/01/2052
शुक्र	26/05/1996	सूर्य	16/10/2012	चंद्र	14/05/2029	मंगल	13/10/2040	राहु	13/01/2055
सूर्य	15/03/1997	चंद्र	18/05/2014	मंगल	12/05/2030	राहु	01/11/2041	गुरु	13/09/2057
चंद्र	15/07/1998	मंगल	27/06/2015	राहु	28/11/2032	गुरु	08/10/2042	शनि	13/11/2060
मंगल	20/06/1999	राहु	02/05/2018	गुरु	06/03/2035	शनि	17/11/2043	बुध	14/09/2063
राहु	13/11/2001	गुरु	13/11/2020	शनि	13/11/2037	बुध	13/11/2044	केतु	13/11/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/11/2064		13/11/2070		13/11/2080		14/11/2087		14/11/2105	
13/11/2070		13/11/2080		14/11/2087		14/11/2105		00/00/0000	
सूर्य	02/03/2065	चंद्र	14/09/2071	मंगल	11/04/2081	राहु	27/07/2090	गुरु	16/07/2107
चंद्र	01/09/2065	मंगल	14/04/2072	राहु	29/04/2082	गुरु	19/12/2092		00/00/0000
मंगल	07/01/2066	राहु	14/10/2073	गुरु	05/04/2083	शनि	26/10/2095		00/00/0000
राहु	02/12/2066	गुरु	13/02/2075	शनि	14/05/2084	बुध	15/05/2098		00/00/0000
गुरु	20/09/2067	शनि	13/09/2076	बुध	11/05/2085	केतु	02/06/2099		00/00/0000
शनि	01/09/2068	बुध	12/02/2078	केतु	07/10/2085	शुक्र	03/06/2102		00/00/0000
बुध	08/07/2069	केतु	13/09/2078	शुक्र	08/12/2086	सूर्य	28/04/2103		00/00/0000
केतु	13/11/2069	शुक्र	14/05/2080	सूर्य	14/04/2087	चंद्र	27/10/2104		00/00/0000
शुक्र	13/11/2070	सूर्य	13/11/2080	चंद्र	14/11/2087	मंगल	14/11/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 4 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।